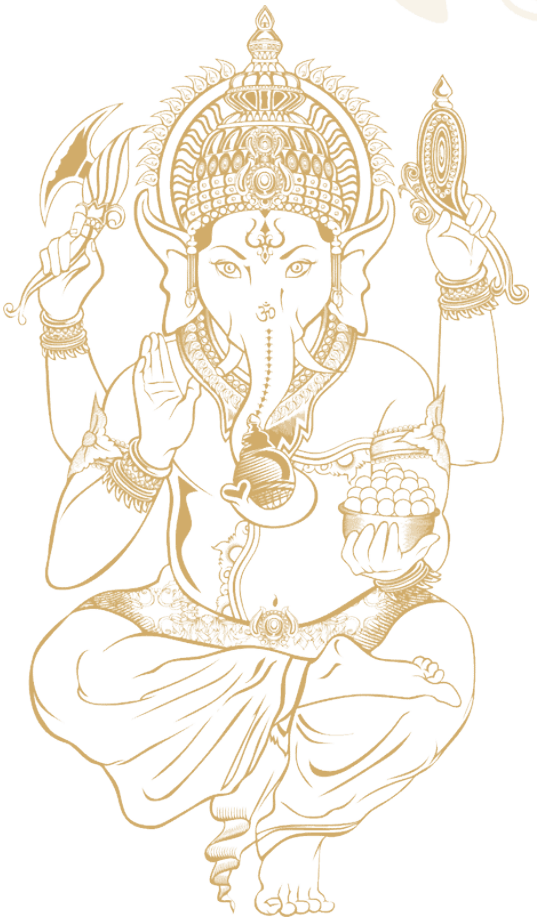

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119837203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/08/2001	जन्म तिथि	05/10/2002
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 13:15:00	जन्म समय	07:55:00 घंटे
घटी 19:21:14	जन्म समय(घटी)	05:10:33 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Jalandhar
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	31:19:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	75:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	-00:27:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:30:30	सूर्योदय	06:23:47
18:28:41	सूर्यास्त	18:08:16
23:52:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:27

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 8वर्ष 11मा 26दि	14:37:24	वृश्चि	लग्न	तुला	06:27:20	सूर्य 5वर्ष 3मा 18दि	
चन्द्र	03:29:13	सिंह	सूर्य	कन्या	17:47:24	राहु	
15/08/2016	20:40:29	सिंह	चंद्र	सिंह	28:13:19	22/01/2025	
16/08/2026	27:29:25	वृश्चि	मंगल	सिंह	29:19:50	22/01/2043	
चन्द्र 16/06/2017	17:14:39	सिंह	बुध व	कन्या	04:41:17	राहु 05/10/2027	
मंगल 15/01/2018	14:01:21	मिथु	गुरु	कर्क	18:54:04	गुरु 28/02/2030	
राहु 17/07/2019	28:00:53	मिथु	शुक्र	तुला	21:06:41	शनि 04/01/2033	
गुरु 15/11/2020	19:50:23	वृष	शनि	मिथु	05:09:21	बुध 24/07/2035	
शनि 16/06/2022	11:11:25	मिथु व	राहु व	वृष	16:35:44	केतु 11/08/2036	
बुध 15/11/2023	11:11:25	धनु व	केतु व	वृश्चि	16:35:44	शुक्र 11/08/2039	
केतु 16/06/2024	28:47:47	मक व	हर्ष व	कुंभ	01:23:06	सूर्य 05/07/2040	
शुक्र 14/02/2026	12:57:16	मक व	नेप व	मक	14:22:11	चन्द्र 04/01/2042	
सूर्य 16/08/2026	18:40:02	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:26:06	मंगल 22/01/2043	

लग्न-चलित

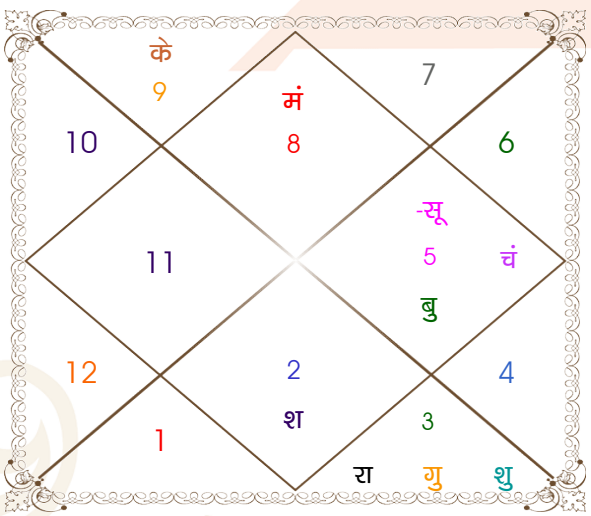

लग्न-चलित

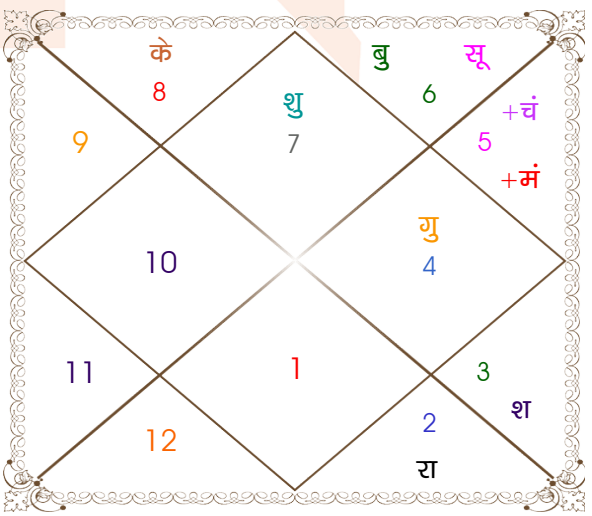

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।